वित्त मंत्री तथा राजस्व और बैंकिंग मंत्री (श्री एच० एम० पटेल) : (क) से (घ) : भारतीय स्टेट बैंक समूह ने पथदर्शी (पायलट) आधार पर एक समेकित ग्रामीण विकास कार्यक्रम लाग किया है जिसके अधीन उनकी लगभग 250 शाखाएं समेकित विकास के वास्ते एक-एक ग्राम को अंगीकृत करेंगी । वित्तीय व्यय अभी निर्धारित नहीं किया गया है परन्तु यह स्थानीय संभावनाओं पर निर्भर होगा । प्रथम चरण में, इन ग्रामों में कृषि और गैर-कृषि गतिविधियों के वित्त पोषित किया जायेगा । इसके बाद ग्रामवासियों को पीने के पानी, सड़कों, स्वास्थ्य केन्द्रों जैसी ग्राम सामाजिक आवश्यकताओं को सरकार और स्वैच्छिक निकायों के सहयोग से पूरा किया जायेगा । मध्य प्रदेश में 24 ग्राम और बिहार ; 15 ग्राम, अधिकांशतः पिछड़े जिलों में, इस कार्यक्रम के अन्तर्गत अंगीकृत किये गये हैं ।

1978 के दौरान, बैंक आफ बड़ौदा का ग्रामीण विकास के लिए मध्य प्रदेश और बिहार प्रत्येक में चार ग्राम विकास केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव है । इस योजना के अन्तर्गत, वित्तीय सहायता केवल कृषि और ग्राम उद्योगों के विकास के लिए, विशेषतः उन छोटे ऋणकर्त्ताओं को उपलब्ध करायी जायेगी जिनके लिए यह योजना तैयार की गई है । बिहार में निम्नलिखित प्रत्येक शाखा में एक केन्द्र अवस्थित है :—

(1) उमानगर	(मुजफ्फरपुर जिला)
(2) चकुलिया	(सिंहभूमि जिला)
(3) गुलाब बाग	(पूर्णिया जिला)
(4) टिकारी	(गया जिला)

यह बैंक 1978 के दौरान देश भर में ऐसे 100 केन्द्र स्थापित करना चाहता है ?

सरकार बैंकों से निरन्तर अनुरोध कर रही है कि वे समेकित ग्रामीण विकास के लिए ऋण उपलब्ध करायें ।

बिहार में नालन्दा जिले में बेरोजगार स्नातकों को राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा दिया गया ऋण

569. **श्री वीरेन्द्र प्रसाद** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मार्च, 1977 से जनवरी, 1973 के बीच राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा बिहार के नालंदा जिले में कितने बेरोजगार स्नातकों को ऋण दिया गया और कितनी राशि का ऋण दिया गया ; और

(ख) क्या राष्ट्रीयकृत बैंकों ने गत दो महीनों से ऋण देना बंद कर दिया है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

वित्त तथा राजस्व और बैंकिंग मंत्री (श्री एच० एम० पटेल) : (क) और (ख) यथा सम्भव सूचना इकट्ठी की जा रही है और सदन के पटल पर रख दी जायेगी ।

चोटी के बीस धनी लोगों के सम्पत्ति कर का निर्धारण

570. **श्री राघव जी** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश ; सम्पत्ति-कर के निर्धारण पर चोटी के बीस धनी व्यक्तियों के नाम क्या है ;

(ख) उनके बारे में किस वर्ष तक के सम्पत्ति कर का निर्धारण हुआ है और इस निर्धारण के अनुसार, उनका सम्पत्ति का मूल्य क्या है; और

(ग) चोटी के ऐसे दस व्यक्तियों के नाम क्या हैं जिन पर गत तीन वर्ष में सम्पत्ति छिपाने पर अधिकतम जुर्माना किया गया और प्रत्येक पर कितने रुपये का जुर्माना किया गया ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जुलफ़िकार उल्लाह) : (क) और (ख). निम्नलिखित के बारे में सूचना विवरण के रूप में संलग्न की गई है :—

(i) 31 मार्च, 1977 तक किये गये धन-कर निर्धारणों के आधार पर चोटी के बीस कर-निर्धारितियों के नाम ;

(ii) प्रत्येक मामले में किया गया नवीनतम कर-निर्धारण ; और

(iii) ऐसे नवीनतम कर-निर्धारण के अनुसार प्रत्येक मामले में निर्धारित शुद्ध धन ।

(ग) सूचना तत्काल उपलब्ध नहीं है । यह सभी क्षेत्रीय कार्यालयों से अभी एकत्रित नहीं की गयी है । जैसे ही यह एकत्रित एवं संकलित हो जायेगी, इसे सदन पटल पर रख दिया जायेगा ।

विवरण

क्रम सं०	निर्धारिता का नाम	कर-निर्धारण वर्ष जिसके सम्बन्ध में कर-निर्धारण की कार्यवाही पूरी की गई है	शुद्ध धन जिस पर धन कर निर्धारित किया गया
1	2	3	4
1.	स्वर्गीय सर जे० एम० सिंधिया (हि.अ.प.)	1961–62	5 13,10,527
2.	बड़ौदा के श्री एफ० पी० गायकवाड़	1966–67	4,35,11,210
3.	दरभंगा के स्वर्गीय श्री कामेश्वर सिंह के निष्पादक, पंडित एल० के० झा०	1961–62	4,32,53,060
4.	कच्छ के श्री मदन सिंहजी	1963–64	2,60,48,604
5.	श्री वी० डी० चौगुले	1973–74	2,47,36,190
6.	सर राम वर्मा	1973–74	2,09,30,100
7.	जयपुर के श्री भवानी सिंहजी	1969–70	1,91,67,400
8.	श्री एल० डी० चौगुले	1971–72	1;83,68,390
9.	के० एस० आर० टी० सी० पेंशन और उपदान निधि	1975–76	1,72,81,000

1	2	3	4
10.	नवानगर की राजमाता साहिबा गुलाब कुंवरबा	1965–66	1,64,10,911
11.	नेपाल की रानी जगदम्बा कुमारी	1958–59	1,50,74,067
12.	श्रीमती एम० रमनम्मा	1973–74	1,46,94,930
13.	परम् माननीय उच्चासीन निजाम के विविध न्यास के न्यासी	1976–77	1,46,68,400
14.	रीवां के श्री मार्तण्ड सिंहजी देव	1974–75	1 36,46,900
15.	जयपुर के स्वर्गीय सवाई मान सिंहजी	1960–61	1,34,97,364
16.	के० एस० आर० टी०सा० जी० पी० निधि न्यास	1975–76	1,09,83,600
17.	श्रीमती विजय राजे सिंधिया	1967–68	1,09,34,770
18.	जयपुर के श्री जयसिंह	1970–71	92,36,370
19.	श्री मिश्री लाल जैन, रांची	1975–76	92,28,900
20.	जयपुर के श्री पृथ्वी राज	1970–71	91,58,150

विदेशों को नमक की सप्लाई करने के लिये समझौते

571. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या **वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता** मंत्री बंगला देश को नमक सप्लाई न किये जाने के कारण राज्य व्यापार निगम को हुई हानि के बारे में 2 दिसम्बर, 1977 के तारांकित प्रश्न संख्या 246 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मार्च, 1977 से 1978 तक नमक की सप्लाई करने के लिए किन-किन देशों के साथ समझौते किये गये हैं और क्या यह सच है कि उक्त सप्लाई किये जाने के कारण हमारे देश में नमक के मूल्य में वृद्धि हो गई है और यदि हां, तो नमक के मूल्य में कितनी प्रतिशत वृद्धि हुई है; और

(ख) क्या केन्द्र एवं राज्य सरकारों ने नमक उत्पादकों तथा नमक पर अलग-अलग प्रकार का कर लगाया है और यदि हां, तो उन पर इस समय किस दर पर कर लगाया गया है ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आरिफ बेग) : (क) वर्ष 1977–78 के दौरान राज्य व्यापार निगम ने बंगलादेश, हांगकांग, सिंगापुर, मालदीव, नेपाल तथा दक्षिण कोरिया को नमक के निर्यात के लिए करार सम्पन्न किये हैं ।

कुछ कारणों से, जिनमें ऊंची कीमतों पर बंगलादेश को नमक के निर्यात के लिए करार शामिल हैं, सम्पूर्ण देश में, विशेष कर पश्चिम बंगाल तथा देश के पूर्व एवं उत्तर पूर्व भागों में, नमक की कीमतों में मामूली वृद्धि हुई है ।